खबर संक्षेप

जिले के शत-प्रतिशत विद्यार्थियो का कराएं प्रवेश नामांकनः डीईओ

शहडोल। जिला शिक्षा अधिकारी अतुल चौधरी ने अशासकीय भारत माता उ. मा. वि. पाण्डवनगर के सभागार में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर शैक्षणिक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में कक्षा 1 से कक्षा 12वीं तक विद्यार्थियो का शतप्रतिशत प्रवेश नामांकन दर्ज कराना सुनिश्चित करें, कोई भी विद्यार्थी प्रवेश के लिए वंचित न रहें। उन्होंने ई अटेन्डेंस, अपार आईडी निर्माण की प्रगति की ,पुस्तक वितरण एवं पोर्टल में प्रविष्टि, कक्षा 1 से 12 वीं तक प्रवेश नामांकन तथा कक्षा 8 वीं से 9 वीं एवं कक्षा 10 वी से 11 वीं में शत-प्रतिशत छात्रों के शालाओं में प्रवेश की समीक्षा की। उन्होने साइकल वितरण सत्र 2026-27 की समीक्षा, मैंपिग, प्रोफाइल अपडेशन एवं स्वीकृति, एमपीटॉस छात्रवृत्ति योजना, एक पेड माँ के नाम अभियान सहित अन्य कार्यों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र अमरनाथ सिंह सहित समस्त विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त विकास खण्ड स्रोत समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र एवं समस्त संकुल प्राचार्य उपस्थित रहें।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दस्त नियंत्रण एवं स्वच्छता का दिया गया संदेश

शहडोल। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड एस. एस. धुर्वे के निर्देशानुसार स्टॉप डायरिया कैंपेन-2026 के अंतर्गत ग्राम कुर्री टोला में समाजसेवी प्रकाश राव द्वारा संगीतमय नुक्कड़ नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर जलजनित बीमारियों से बचाव एवं स्वच्छता का संदेश दिया। छात्र-छात्राओं को दस्त होने के प्रमुख कारण, बचाव के उपाय, उचित उपचार, ओआरएस एवं जिंक के महत्व, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल के उपयोग के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने, खुले में शौच से बचने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड शहडोल के पीएमयू जिला आईईसी समन्वयक रोहणी कुमार बर्मन ने दस्त से बचाव के उपाय, ओआरएस एवं जिंक के महत्व, स्वच्छ पेयजल के उपयोग, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा हाथ धोने की सही आदतों पर विस्तार से जानकारी दी।

बच्चों ने सड़कों पर भरी नशामुक्ति की हुंकार

शहडोल में खाकी की फूंक से उड़ा नशे का अंधकार

विवेकानंद पार्क में जुटे माननीयों ने खाई कसमें

शहडोल। जब सरकारी तंत्र किसी अभियान को उत्सव बना दे, तो समझो कि बदलाव की बयार चलने वाली है, शहडोल की धरती पर इन दिनों कुछ ऐसा ही अनूठा नजारा देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत स्वामी विवेकानंद पार्क स्थित सामुदायिक भवन में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसने समाज के ठेकेदारों से लेकर युवाओं तक, सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। आमतौर पर पुलिस को देखकर लोगों का नशा वैसे ही हिरण हो जाता है, लेकिन यहां तो खाकी खुद माइक थामकर समाज को नशामुक्त करने का ज्ञान प्रसाद बांटती नजर आई। कार्यक्रम का एकमात्र और पवित्र उद्देश्य था, युवाओं को नशे की गर्त से बाहर खींचना और एक ऐसे समाज का निर्माण करना जहां लोग मदिरालय के बजाय पुस्तकालय की तरफ रुख करें।

विधायक मनीषा सिंह की नसीहत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारीं जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने मंच संभालते ही बेहद मार्मिक लेकिन तीखा प्रहार किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि नशे जैसी सामाजिक महामारी को केवल पुलिस के डंडे के दम पर खत्म नहीं किया जा सकता। इसके लिए सबसे पहले हमें अपने घर की दहलीज से शुरुआत करनी होगी। विधायक ने उपस्थित अभिभावकों की दुखती रग पर हाथ रखते हुए कहा कि हम सब अपने बच्चों को महंगे मोबाइल और सुख-सुविधाएं तो दे देते हैं, लेकिन अच्छे संस्कार देना भूल जाते हैं। उन्होंने नसीहत दी कि बच्चों की संगति पर तीसरी आंख (कड़ी नजर) रखें। अगर देश के युवा को स्वस्थ, सशक्त और विकसित बनाना है, तो सबसे पहले उसे इस लत के चंगुल से आजाद करना होगा। उन्होंने पुलिस के इस अभियान की पीठ थपथपाते हुए इसे एक सरकारी कार्यक्रम से ऊपर उठाकर जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

नशा सिर्फ लीवर नहीं, पूरा परिवार उजाड़ता है!

इसके बाद शहडोल के पुलिस कप्तान संजय कुमार अग्रवाल ने कमान संभाली। उन्होंने नशामुक्ति का जो सामाजिक और आर्थिक गणित समझाया, उसने हॉल में बैठे लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। एसपी साहब ने कहा कि नशे की लत किसी एक व्यक्ति का निजी मामला नहीं है, यह एक ऐसा दीमक है जो हंसते-खेलते पूरे परिवार को मलबे में तब्दील कर देता है। नशे के चक्कर में युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है और अदालतें पारिवारिक विवादों से पट रही हैं। कप्तान साहब ने जिले के उन हॉटस्पॉट क्षेत्रों (जहां नशे का कारोबार फल-फूल रहा है) के सौदागरों को भी परोक्ष रूप से चेतावनी दे डाली। उन्होंने एलान किया कि अब पुलिस की टीमें केवल थानों में बैठकर मुस्तैद नहीं रहेंगी, बल्कि गांव-गांव, गली-गली जाकर चौपाल लगाएंगी। लोगों को शारीरिक, मानसिक और सबसे बढक़र आर्थिक नुकसान का पाठ पढ़ाया जाएगा।

रंगोली और निबंध से बदलेगी समाज की रंगत

पुलिस विभाग ने इस बार सिर्फ लाठी चमकाने का पारंपरिक तरीका छोडक़र गांधीवादी रास्ता अख्तियार किया है। एसपी ने बताया कि स्कूलों और कॉलेजों में रंगोली, चित्रकला, निबंध, भाषण और पोस्टर मेकिंग जैसी प्रतियोगिताओं का जाल बिछाया जाएगा। यानी जो बात सीधे समझाने से समझ नहीं आती, उसे अब कला के जरिए दिल में उतारा जाएगा। कार्यक्रम के अंत में एसपी साहब ने हॉल में उपस्थित जनसैलाब को हाथ आगे बढ़वाकर नशामुक्ति की कसम (शपथ) दिलाई। अब देखना यह है कि यह कसम हॉल से निकलने के बाद कितनी याद रहती है।

कलेक्ट्रेट से बाणगंगा मैदान तक बच्चों का पोस्टर वार

सामुदायिक भवन के ज्ञान सत्र के बाद असली रंग सडक़ों पर देखने को मिला। संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में सुबह-सुबह एक अलग ही रौनक थी। विभिन्न स्कूलों के नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राएं हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां थामे कतारबद्ध खड़े थे। पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने जैसे ही हरी झंडी दिखाई, जागरूकता रैली जयघोष के साथ शहर की सडक़ों पर निकल पड़ी। रैली में बच्चों ने अपनी बुलंद आवाज से शहडोल की सडक़ों को गुंजा दिया। हवा में एक ही गूंज थी, नशे से दूरी है जरूरी! और नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो! कलेक्ट्रेट से शुरू होकर यह जनसैलाब बाणगंगा मैदान में जाकर थमा। रैली में बच्चों के चेहरों पर देश बदलने का उत्साह साफ झलक रहा था। उन्होंने राहगीरों को रोक-रोक कर स्वस्थ जीवन अपनाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का पाठ पढ़ा डाला। इस पूरे भव्य आयोजन में नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा, प्रख्यात चिकित्सक डॉ. पुनीत श्रीवास्तव और ब्रम्हकुमारी संस्थान से आईं बहन रीता सहित शहर के प्रबुद्ध पत्रकार और खाकी अमला मौजूद रहा।

किसान के खेत में पीएचई ने बगैर अनुमति चलवाई जेसीबी

शहडोल। जल जीवन मिशन हो या नल-जल योजना, हमारे जिले का लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागइन दिनों कुछ ज्यादा ही उदार हो गया है। इतनी उदारता कि अब ये लोगों के घरों तक पानी पहुंचाने के लिए बिना पूछे दूसरों के निजी खेतों की छाती चीरने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। ताजा और बेहद हैरान कर देने वाला मामला गोहपारू जनपद के ग्राम पंचायत भदवाही (छुल्लना टोला) से सामने आया है, जहां पीएचई विभाग के अति-उत्साही ठेकेदार और इंजीनियरों ने एक गरीब किसान के एकमात्र उपजाऊ खेत को ही सरकारी जमीन समझकर जेसीबी से जोत डाला।

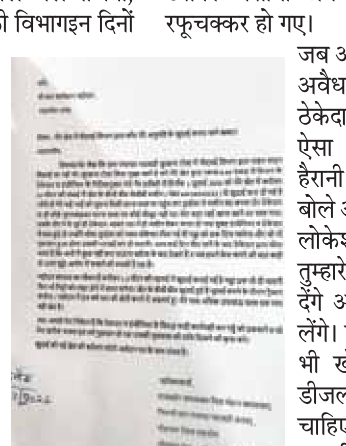

पीड़ित किसान राजबहोर जायसवाल पिता मोहन जायसवाल का छुल्लना टोला में मुख्य मार्ग से लगा हुआ करीब 0.89 एकड़ का एक खेत है, जो उनके परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा है। 1 जुलाई 2026 को जब किसान अपने खेत पर मौजूद नहीं था, तब पीएचई विभाग के ठेकेदार और इंजीनियर के दिमाग की बत्ती जली। उन्होंने बिना किसी अनुमति, बिना किसी पूर्व सूचना के, जेसीबी मशीन सीधे किसान के लहलहाने वाले खेत के बीचों-बीच उतार दी। बिना पूछे करीब 50 मीटर लंबी और 1.5 मीटर (करीब 5 फीट) गहरी खाई खोद दी गई। जब किसान के बड़े भाई को भनक लगी और उन्होंने दौडक़र काम रुकवाया, तब तक खेत का नक्शा बदला जा चुका था। हद तो तब हो गई जब मौका पाकर रात के अंधेरे में ठेकेदार और उसकी जेसीबी टीम चोरों की तरह मशीन लेकर रफूचक्कर हो गए।

जब अगले दिन पीड़ित किसान ने इस अवैध कार्य को लेकर इंजीनियर और ठेकेदार को घेरा, तो साहब लोगों ने ऐसा बहाना बनाया जिसे सुनकर हैरानी होने लगी, इंजीनियर साहब बोले अरे भाई, हमारे ड्राइवर को गलत लोकेशन मिल गई थी, गलती से तुम्हारे खेत में खोद दिया। गड्ढा ढक देंगे और जो नुकसान हुआ है, देख लेंगे। वाह साहब! मतलब किसी का भी खेत हो, आपकी जेसीबी का डीजल और ड्राइवर का मन होना चाहिए, खुदाई कहीं भी शुरू हो जाएगी? हद तो तब हो गई जब कई दिन बीत जाने के बाद भी गड्ढा नहीं भरा गया। अब जब बारिश का मौसम आ चुका है और किसान ने कानूनी कार्रवाई की बात कही, तो ठेकेदार अपनी गलती मानने के बजाय पीड़ित किसान को ही झूठे केस में फंसाने की धमकियां दे रहा है।बरसात के इस सीजन में जहां किसान अपने खेतों में धान की रोपाई कर खरीफ की फसल की तैयारी कर रहे हैं, वहीं राजबहोर का खेत एक विशाल तालाब और दलदल में तब्दील हो चुका है। 1.5 मीटर गहरे इस गड्ढे को अगर कागजी तौर पर मिट्टी डालकर पाट भी दिया जाए, तो भी इस दलदल में जुताई के समय ट्रैक्टर का धंसना तय है। किसान इस साल धान की खेती करने की स्थिति में ही नहीं बचा है। थक-हारकर पीड़ित किसान ने कलेक्टर के दरबार में गुहार लगाई है।

पहले तहसीलदार से छीना ट्रैक्टर, फिर वनकर्मी को सरेराह कूटा

शहडोल। धन्य है शहडोल जिले का जयसिंहनगर थाना क्षेत्र, जहां अपराधियों के हौसले आसमान छू रहे हैं और बेचारी कानून-व्यवस्था कोने में बैठकर अपनी कंगाली पर आंसू बहा रही है, जयसिंहनगर में गुंडागर्दी का ऐसा डबल धमाल देखने को मिला है कि आम जनता तो क्या, अब सरकारी अधिकारी भी अपनी जान बचाने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे हैं। चंद घंटों के भीतर ही इलाके के सूरमाओं ने जो गदर मचाया, उसने साबित कर दिया कि यहाँ वर्दी का खौफ नहीं, बल्कि खाकी पर अपराधियों का रौब चलता है।

नायब तहसीलदार शिवकुमार सिंह अपनी टीम के साथ अवैध उत्खनन रोकने के लिए पूरी बहादुरी के साथ मैदान में उतरे थे। उन्होंने रेत से लदे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रंगे हाथों पकड़ भी लिया, लेकिन साहब, यह जयसिंहनगर है, यहाँ कानून अपना काम बाद में करता है, माफिया अपना फैसला पहले सुनाते हैं। ट्रैक्टर चालक ने तुरंत अपने

आकाओं हर्ष कचेर और हेमंत चतुर्वेदी को फोन खटखटाया। ये लोग मौके पर अवतरित हुए तहसीलदार साहब को कानून का पाठ पढ़ाया, उनके कब्जे से जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली छीनी और तहसीलदार साहब को सरेराह धूल चटाते हुए ट्रैक्टर लेकर रफूचक्कर हो गए। तहसीलदार साहब कागज-कलम थामे बस तमाशबीन बने रह गए। तहसीलदार से ट्रैक्टर छुड़ाने के बाद इन शूरवीरों का मन इतने से नहीं भरा। इन्हें लगा कि जब तक किसी की खातिरदारी डंडे-थप्पड़ से न हो, तब तक दबंगई का मजा अधूरा है। कुछ ही घंटों बाद यही आरोपी जयसिंहनगर बस स्टैंड पहुंचे। वहां अपनी ड्यूटी पूरी कर शांति से बैठे वनकर्मी विजय कुमार गुप्ता पर इनकी नजर पड़ी। बस फिर क्या था, बिना किसी बात के गाली-गलौज का राग अलापा गया और वनकर्मी की पीठ पर अपनी लात-घूंसों की कला का प्रदर्शन कर डाला। थाना प्रभारी अजय कुमार बैगा का अब वही घिसा-पिटा बयान आ रहा है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। गजब का तंत्र है! सरेआम सरकारी अफसरों को पीटा जा रहा है, लूटा जा रहा है और पुलिस अब तक केवल तलाश के कागजी घोड़े दौड़ा रही है। वैसे भी इस इलाके में बुजुर्ग महिला की धारदार हथियार से हुई नृशंस हत्या का मामला आज तक अनसुलझा पड़ा है। जब हत्यारों का पता नहीं, तो इन सरेराह पीटने वाले मजनूओं को पुलिस कब तक पकड़ेगी, यह भगवान ही जाने, कुल मिलाकर, जयसिंहनगर की जनता अब भगवान भरोसे है।

क्षेत्रीय संचालक ने सिविल अस्पताल ब्यौहारी का किया निरीक्षण

शहडोल। शहडोल एवं रीवा संभाग के क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. जी.एस.परिहार ने सिविल अस्पताल ब्यौहारी के ओपीडी, आईपीडी, प्रसूति कक्ष, प्रयोगशाला, औषधि भंडार, वार्डों की स्वच्छता, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का अवलोकन किया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। क्षेत्रीय संचालक ने मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. निशांत सिंह परिहार, चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी. के. पाराशर एवं डॉ. ए. पी . पटेल सहित समस्त चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता, दवा उपलब्धता, अभिलेख संधारण तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

किसान के खेत में दबंग पड़ोसी ने छोड़ा गंदा पानी

कछियान टोला में कभी भी भडक़ सकता है बड़ा विवाद, कलेक्टर को सौंपी शिकायत

शहडोल। सरकारें बदल जाती हैं, जिला कलेक्टर बदल जाते हैं और स्वच्छ भारत अभियान के करोड़ों रुपये विज्ञापनों और होर्डिंग्स की भेंट चढ़ जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत का अगर कोई बदबूदार और घिनौना रूप देखना हो तो जिले की नगर परिषद ब्यौहारी के वार्ड क्रमांक 11 (कछियान टोला) चले आइए। यहां आपको विकास का एक ऐसा अनोखा मॉडल देखने को मिलेगा, जिसे देखकर आपकी रूह कांप जाएगी और नाक बंद हो जाएगी। यहां के कुछ रसूखदार और दबंग पड़ोसी अपने घरों की लेटरिंग और बाथरूम का सड़ांध मारता गंदा पानी किसी नाली में नहीं, बल्कि सीधे एक गरीब किसान के खेत और घर की तरफ बहा रहे हैं।

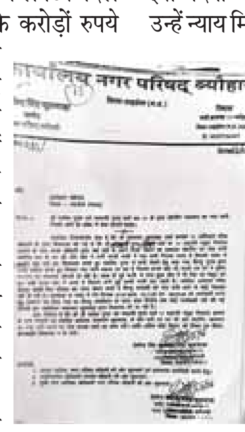

मामला वार्ड क्रमांक 11 के प्रायमरी स्कूल गैपदास आश्रम के ठीक बगल का है। पीड़ित सत्यभान कुशवाहा पिछले कई वर्षों से इस असहनीय नरक को झेलने पर मजबूर हैं। आरोप है कि इसी वार्ड के निवासी राजेश गुप्ता एवं लालजी गुप्ता ने अपने निजी मकान के लेटरिंग-बाथरूम की गंदगी की निकासी सीधे सत्यभान के खेत और बारी की तरफ कर दी है। इस घिनौने कृत्य से न केवल आस-पास का पूरा वातावरण अत्यंत दूषित हो चुका है, बल्कि खेत में लगी हरी सब्जी-भाजी भी इस इंसानी विष्ठा और गंदे पानी के जहर से सडक़र नष्ट हो रही है। इसी सब्जी को बाजार में बेचकर यह गरीब परिवार अपना और अपने बच्चों का पेट पालता है, लेकिन अब इनके सामने भूखों मरने और गंभीर संक्रामक बीमारियों की चपेट में आने की नौबत आ चुकी है।

हैरत और शर्म की बात यह है कि जब पीड़ित परिवार ने इस गंदगी और बदबू का शांतिपूर्वक विरोध किया, तो उन्हें न्याय मिलना तो दूर, उलटे दबंगों द्वारा गाली-गलौज और रसूख की धौंस दी गई। सीधे शब्दों में कहें तो दबंगों का साफ संदेश है कि शौचालय का पानी तो यहीं बहेगा, तुमसे जो बनते बने, वो प्रशासन से करवा लो।

इस पूरे मामले में नगर परिषद ब्यौहारी और स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता पर जितना व्यंग्य किया जाए, वह कम है। वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद सत्येन्द्र सिंह कुशवाहा ने अपने वार्ड वासियों को इस नरक से मुक्ति दिलाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया। पार्षद ने 31 जुलाई 2025, 12 नवम्बर 2025 और फिर 08 मई 2026 को बकायदा लिखित आवेदन देकर शासकीय दफ्तरों के चक्कर काटे, लेकिन साहब ब्यौहारी नगर परिषद के अधिकारियों के कानों पर जूं रेंगती तो बात थी। कागजी घोड़े दौड़ते रहे, फाइलें सजती रहीं और लेटरिंग का पानी बदस्तूर खेतों में जहर घोलता रहा। अधिकारियों की चौखट पर सिर पटकने के बाद, थक-हारकर अब पार्षद सत्येन्द्र सिंह कुशवाहा ने सीधे कलेक्टर के दरबार में हुंकार भरी है। 23 जुलाई 2026 को सौंपे गए एक कड़े शिकायती पत्र में उन्होंने चेतावनी दी है कि इस बदबूदार मामले के कारण कभी भी क्षेत्र में बड़ा विवाद और कानून-व्यवस्था की स्थिति निर्मित हो सकती है।

उप मुख्यमंत्री ग्राम पंचायत खैरहा में करेंगे 3.57 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

शहडोल। प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल 16 जुलाई को जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत खैरहा मे 3.15 करोड़ लागत से निर्मित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 42.50 लाख लागत की लागत वाले नवीन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह करेंगी। विशिष्ट अतिथियों के रूप में जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अंमिता चपरा, जिला पंचायत निर्माण समिति के सभापति जगन्नाथ शर्मा तथा जनपद सदस्य श्रीमती दीपिका जगन्नाथ शर्मा, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती दुईजी बाई कोल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। लोकार्पण किए जाने वाले कार्यों में नवीन पंचायत भवन परिसर जिसकी लागत 21.74 लाखा, सामुदायिक भवन खैरहा लागत 12 लाख, सामुदायिक भवन कदौंहा लागत 14.49 लाख, बाउन्ड्रीवाल पंचायत भवन खैरहा 5.50 लाख, पेपर ब्लाक एवं सेड निर्माण 05.9 लाख, सीसी रोड एवं नाली निर्माण 02.99 लाख, स्टॉप डैम निर्माण करहा घाट बहरा नाला खैरहा 17.94 लाख स्टॉप डैम निर्माण झोझा नाला कुदरी टोला खैरहा लागत 13.99 लाख, स्टॉप डैम निर्माण महुआदहा नदी कर्बला के पास लागत 69 लाख, गे्रवल रोड निर्माण हायर सेकेण्डरी स्कूल से बरमहा तालाब तक 66 लाख, घाट निर्माण पतरिहाई तालाब ग्राम कंदौहा लागत 4 लाख के साथ ही सीसी रोड एवं नाली निर्माण के कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इसी तरह बाउन्ड्रीवाल निर्माण समुदायिक भवन यज्ञशाला परिसर ग्राम कंदौहा, लागत 17 लाख, सीसी रोड निर्माण अस्पताल तिराहा से माध्यमिक विद्यालय तक लागत 21.50 लाख, नाली निर्माण गुरू के घर से चिकनी चैराहा तक लागत 04 लाख रूपए कुल 42 लाख 50 हजार रूपए की लागत वाले कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

कोयला तस्करों का भंडाफोड खनिज निरीक्षक ने 20 टन कोयला किया जब्त

शहडोल। जिले के सोहागपुर तहसील के ग्राम देवगांव में कोयला तस्करों ने भंडारण का ऐसा साइंटिफिक और अंडरग्राउंड फॉर्मूला निकाला कि खुद वैज्ञानिक भी अपना सिर पकड़ लें। पुलिस और माइनिंग विभाग की कार्रवाई से बचने के लिए इन शातिर दिमागों ने करीब 20 टन कोयला जमीन के अंदर दफन कर दिया था, लेकिन किस्मत खराब थी, मुखबिर ने सिस्टम का कान फूंक दिया और खनिज विभाग जेसीबी लेकर खुद खुदाई करने पहुंच गया। देवगांव के पास सरकारी जमीन पर तस्करों ने बकायदा 10 फीट चौड़ा, 20 फीट लंबा और 2 फीट गहरा गड्ढा खोदकर उसमें 20 टन काला सोना छिपा रखा था। खनिज निरीक्षक अभिषेक पटेल और उनकी टीम को जब इसकी भनक लगी, तो उन्हें तस्करों को पकडऩे के बजाय पहले पुरातत्व विभाग की तरह जमीन की खुदाई करानी पड़ी। तस्करों की दूरगामी सोच को दाद देनी होगी, ना रहेगा बांस, ना बजेगी बांसुरी। जब तक खनिज विभाग चेकिंग के लिए सडक़ों पर नाकेबंदी करेगा, तब तक कोयला पाताल लोक की सैर कर सुरक्षित हो चुका होगा। जेसीबी ने दहाड़ मारते हुए जमीन का सीना चीरा और डंपर की मदद से दफन किए गए कोयले को बाहर निकाला गया। इस छापेमारी में एक और मजेदार बात सामने आई, तस्करों के साइड बिजनेस यानी 25 घनमीटर अवैध रेत का भी वहीं भंडारण था। खनिज अमले ने इस रेत में मिट्टी मिलाकर इसका ऐसा विनष्टीकरण किया कि यह दोबारा किसी के काम न आ सके। अब हमेशा की तरह विभाग कह रहा है कि अवैध परिवहन और खनिजों के अवैध भंडारण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

जिला अभियोजन संचालनालय उमरिया में अधिकारियों का हुआ प्रमोशन

उमरिया। अभियोजन अधिकारी नीरज पाण्डेय द्वारा बताया गया कि लोक अभियोजन संचालनालय भोपाल द्वारा जारी पदोन्नति सूची में उमरिया अभियोजन कार्यालय के 4 अभियोजन अधिकारियों को पदोन्नति मिली है। जिला मीडिया सेल प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सहायक निदेशक अभियोजन , जिला लोक अभियोजन अधिकारी के पद से रुक्मिणी कृष्ण चतुर्वेदी को पदोन्नत कर उपनिदेशक अभियोजन, उमरिया बनाया गया है। वहीं सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी के पद से पदोन्नत होकर जिला अभियोजन अधिकारी, अति. जिला लोक अभियोजन अधिकारी बनने वालों में रवीन्द्र सिंह, मनोज कुमार पनिका एवं कुबेन्द्र शाह ठाकुर शामिल हैं।

जिला स्तरीय समिति की बैठक आज

उमरिया । पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय व्दारा अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के प्रावधानो को जिले में कड़ाई से लागू किया जाना और उनकी निरंतर निगरानी किया जाना अनिवार्य है। नियमों के तहत कचरे का स्त्रोत पर पृथकरण, प्रसंस्करण और डपिंग स्थलों का वैज्ञानिक उपचार सुनिश्चित किया जाना है। जिले मे इन नियमों की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करने तथा आगामी कार्य योजना तैयार करने हेतु कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक 16 जुलाई को कलेक्टर सभागार मे आहूत की गई है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार से ही आकांक्षी विकासखंड मुख्य धारा में शामिल होगा

उमरिया। आकांक्षी विकासखंड मानपुर की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, विकास, जनपद, एन आर एल एम, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पशुधन विकास विभाग तथा जल संसाधन विभाग के संकेतको की विस्तार से समीक्षा की । उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार से ही आकांक्षी विकासखंड मुख्य धारा मे शामिल होगा। सभी विभाग अपनी सेवाओं का आकांक्षी विकासखंड में पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाएं ।

कलेक्टर ने कहा कि नीति आयोग के आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत जिले के चयनित मानपुर विकासखंड में विकास की गति को तेज करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर बदलाव किए जा रहे है। जिला प्रशासन व्दारा व्यापक और एकीकृत कार्य योजना बनाकर काम किया जा रहा है। इसका मुख्य उददेश्य यहां रहने वाले नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना और उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोडऩा है। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने स्वास्थ्य विभाग के 6 संकेतकों की समीक्षा करते हुए कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करनें के लिए स्वास्थ्य केंद्रों को 24 घंटे क्रियाशील करें । बच्चों और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया और कुपोषण की दर को कम करनें के लिए स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें तथा प्रति शनिवार को दोनो विभाग के मैदानी अमलें के कर्मचारी आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बैठकर अपनें आकड़ों को दूरस्थ करें। महिला एवं बाल विकास विभाग के संकेतको की समीक्षा करते हुए टी एच आर वितरण को सुचारू रूप करने के निर्देश दिए गए । अधोसंरचना के अंतर्गत आने वाले पांच संकेतको को शत प्रतिशत पूर्ण करनें के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने शिक्षा विभाग के संकेतको की समीक्षा करते हुए बच्चों का शत प्रतिशत शैक्षणिक सत्र 2026-27 मे प्रवेश कराने तथा शौचालयो के निर्माण, सुधार करानें के निर्देश दिए । बैठक में बताया गया कि कृषि विभाग, पशुधन विकास विभाग व्दारा सभी संकेतको पर शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जा चुकी है। किसानों की आय बढ़ाने और परंपरागत खेती को लाभ का धंधा बनानें के लिए उन्नत बीजों का वितरण और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जाए। एनआरएलएम की समीक्षा करते हुए रिवॉलंविग फंड के लिए निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि पात्र स्व सहायता समूह को शत प्रतिशत रिवॉलंविग फंड प्रदान किया जाए एवं बैंक सखी को सक्रिय कर दूरस्थ गांव में बैकिंग सुवधिा प्रदान की जाए। बैठक में डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रैंप योजना अंतर्गत दो दिवसीय एमएसएमई कंपोजिट कार्यशाला का शुभारंभ

उमरिया। भारत सरकार के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) एवं विश्व बैंक समर्थित रैंप योजना के अंतर्गत जिला उमरिया में दो दिवसीय एमएसएमई कंपोजिट कार्यशाला का शुभारंभ होटल रॉयल आनंद उमरिया में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के युवा उद्यमियों सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों (एम एस एम ई), स्वयं सहायता समूहों तथा इच्छुक उद्यमियों को शासन की विभिन्न योजनाओं नीतियों एवं सेवाओं की जानकारी प्रदान कर उन्हें उद्यम स्थापना एवं विस्तार हेतु प्रोत्साहित करना है।

कार्यशाला के प्रथम दिवस में मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति, मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति रैंप योजना, जेड प्रमाणन वितीय जागरुकता बौद्धिक संपदा अधिकार एवं जीआई टैगिंग विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इस अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र उमरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार मसकोले उपस्थित रहे। उन्होंने युवा उद्यमियों, एम एस एम ई इकाइयों एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से शासन की उद्यम प्रोत्साहन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने उद्यम पंजीकरण, जेड प्रमाणन, ओएनडीसी से जुडने तथा अन्य उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रैंप योजना उद्यमियों को प्रतिस्पर्धी एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के दौरान रैंप योजना के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र उमरिया में इंटर्नशिप पूर्ण करने वाले इंटर्न को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यशाला में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र उमरिया के प्रबंधक अंकित सिंह एवं दीपक गुप्ता द्वारा मध्यप्रदेश एम एस एम ई विकास नीति एवं मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति की विस्तृत जानकारी दी गई तथा शासन द्वारा उपलब्ध प्रोत्साहनों एवं सुविधाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबंधक, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, उमरिया एवं लीड जिला प्रबंधक (स्क्ड), उमरिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला स्थल पर प्रतिभागियों की सुविधा हेतु उद्यम पंजीकरण, जेड प्रमाणन पंजीकरण एवं टीम ओएनडीसी ऑनबोर्डिंग के लिए विशेष यॉक-इन एवं कियोस्क सुविधा भी स्थापित की गई जहां इच्छुक उद्यमियों को मौके पर ही पंजीकरण एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। दो दिवसीय इस कार्यशाला के द्वितीय दिवस में भी विभिन्न तकनीकी सत्रों परामर्श सेवाओं एवं पंजीकरण गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को शासन की योजनाओं से जोडऩे का कार्य जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की स्पेशल ट्रेन 31 जुलाई को होगी रवाना

उमरिया। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत 31 जुलाई को आयेध्या-वाराणासी (काशी) यात्रा हेतु स्पेशल ट्रेन रवाना होगी। योजना के तहत उमरिया जिले से 262 वरिष्ठ जन विशेष ट्रेन में यात्रा कर सकेगे। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जो 80 वर्ष या अधिक आयु के हो (महिलाओ के लिए 2 वर्ष की छूट) तथा जो आयकरदाता नही है, को प्रदेश , प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न अधिसूचित तीर्थ स्थलो की यात्रा कराए जाने का प्रावधान है।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के प्रावधानों के अनुसार 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति, जो अकेले यात्रा करने हेतु आवेदन करते हैं, उन्हें एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी। इसके अतिरिक्त 3 से 5 व्यक्तियों के समूह (जहां सभी सदस्य 65 वर्ष से अधिक आयु के हो) को एक सहायक ले जाने की अनुमति होगी (जबकि पति-पत्नी के साथ यात्रा करने की स्थित में सहायक की अनुमति नहीं होगी। सहायक का संबंधी होना अनिवार्य नहीं है।

उन्होंने कहा है कि आवेदन 17 जुलाई को कार्यालयीन समय तक अनिवार्य रूप से प्राप्त किए जा सकते है। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि समस्त आवेदन केवल निर्धारित तीर्थ यात्रा पोर्टल के माध्यम से ही दर्ज किए जाएं तथा किसी अन्य माध्यम, जैसे व्हाट्सएप आदि से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। निर्धारित तिथि 17 जुलाई को दोपहर 2 बजे तक समस्त आवेदनों की प्रविष्टि पोर्टल पर पूर्ण कर ली जाएगी। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया है कि आवेदकों की समस्त जानकारी, जैसे नाम, आधार क्रमांक, मोबाइल नंबर, पूर्ण पता आदि का सत्यापन करते हुए ही पोर्टल पर प्रविष्टि की जाए। ऐसे आवेदक जिन्होंने पूर्व में इस योजना का लाभ प्राप्त कर लिया है, उनके आवेदन स्वीकार न किए जाएं तथा इस संबंध में आवश्यक जांच सुनिश्चित की जाए।

कोतमा थाने में पदोन्नत प्रधान आरक्षकों का सम्मान, थाना प्रभारी ने लगाए प्रतीक लाल बैज

कोतमा। प्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा जारी पदोन्नति आदेश के बाद कोतमा थाना परिसर में पदोन्नत पुलिस कर्मियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल ने आरक्षक संजय द्विवेदी, नत्थू चौधरी, राकेश सिंह एवं अजय तोमर को प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नति मिलने पर उनके कंधों पर प्रतीक स्वरूप लाल बैज लगाकर शुभकामनाएं दीं। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल ने पदोन्नत प्रधान आरक्षकों को नई जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु बधाई देते हुए कहा कि पदोन्नति केवल सम्मान ही नहीं, बल्कि कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों में वृद्धि का भी प्रतीक है। उन्होंने सभी से पूरी निष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ जनता की सेवा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर कोतमा थाना का समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पदोन्नत प्रधान आरक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

रन और जागरूकता कार्यक्रमों से दिया नशामुक्त समाज का संदेश

नशे के खिलाफ जनजागरण अभियान शुरू

राजनगर। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय राजनगर, जिला अनूपपुर में 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है। अभियान के प्रथम दिवस महाविद्यालय परिसर से जागरूकता रैली, ड्रग अवेयरनेस रन तथा जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं महाविद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। इस दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां लेकर नारे लगाए और लोगों से नशे से दूर रहने की अपील की। महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि अभियान के अंतर्गत आगामी दिनों में सोशल मीडिया जागरूकता अभियान, रील्स एवं लघु वीडियो निर्माण, विशेषज्ञों के व्याख्यान, डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों एवं नागरिकों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है और नशे से दूर रहकर ही युवा अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से इस जन-जागरूकता अभियान में सहभागी बनने और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए अपना योगदान देने का आग्रह किया।

आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, गूंजेंगे जय जगन्नाथ के जयकारे

कोतमा। नगर में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की पारंपरिक एवं भव्य रथयात्रा गुरुवार को पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली जाएगी। रथयात्रा को लेकर मंदिर समिति एवं नगरवासियों ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। रथयात्रा गुरुवार दोपहर 2 बजे पंचायती मंदिर से प्रारंभ होगी। शोभायात्रा गांधी चौक, आजाद चौक, महावीर मार्ग, पुराना स्टेट बैंक रोड, गुरुद्वारा चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर पुनः पंचायती मंदिर पहुंचेगी। पूरे मार्ग में श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के जयकारे लगाते हुए रथ को खींचेंगे और नगर का वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। रथयात्रा के पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ दो दिनों तक पंचायती मंदिर में विश्राम करेंगे। इसके बाद 18 जुलाई की शाम 5 बजे भगवान की पुनः प्रस्थान यात्रा आयोजित की जाएगी। पंडित कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा नगर की सुख-समृद्धि, शांति और वैभव का प्रतीक मानी जाती है। नगरवासी पूरे वर्ष इस पावन आयोजन का बेसब्री से इंतजार करते हैं। रथयात्रा के दौरान लोग अपने-अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना करते हैं तथा परिवार और नगर की खुशहाली की कामना करते हैं। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में रथयात्रा में शामिल होकर भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

प्रदेश स्तरीय महिला सहकारिता सम्मेलन में महिला श्रमिक सहकारी संस्था सम्मानित

भोपाल में चेयरमैन वंदना सोनी ने प्राप्त किया राज्य स्तरीय सम्मान

चचाई। राजधानी भोपाल में सहकार भारती, मध्य प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित प्रदेश स्तरीय महिला सहकारिता सम्मेलन में अनूपपुर जिले की महिला श्रमिक एवं निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, अनूपपुर को उसकी उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी कार्यशैली के लिए राज्य स्तरीय सम्मान से नवाजा गया। संस्था की चेयरमैन वंदना सोनी ने मंच पर यह प्रतिष्ठित सम्मान ग्रहण कर जिले का गौरव बढ़ाया। राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल में आयोजित इस गरिमामयी सम्मेलन का आयोजन बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्धार की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग रहे। कार्यक्रम में अपेक्स बैंक भोपाल के प्रशासक महेन्द्र सिंह यादव, सहकार भारती के राष्ट्रीय मंत्री एवं मध्यक्षेत्र संगठन प्रमुख दिलीप दादा पाटिल तथा राष्ट्रीय महिला प्रमुख रेवती शेन्दूर्णीकर सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन सहकार भारती के प्रदेश अध्यक्ष शेखर किबे, प्रदेश महिला प्रमुख डॉ. जया श्रीवास्तव एवं प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान के संयोजन में संपन्न हुआ। सम्मेलन में अनूपपुर की संस्था की सक्सेस स्टोरी को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया।

संस्था ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की महिलाओं और श्रमिकों के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता, कौशल विकास, स्वरोजगार, जैविक कृषि तथा श्रीअन्न (मिलेट) के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। इन प्रयासों ने संस्था को प्रदेशभर में एक अनुकरणीय पहचान दिलाई है। सम्मान प्राप्त करने के बाद संस्था की चेयरमैन वंदना सोनी ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने मार्गदर्शकों को देते हुए कहा कि उनकी सफलता के पीछे आशा सेंगर और रश्मि खरे का सतत मार्गदर्शन, सहयोग और प्रेरणा रही है। उन्होंने बताया कि इन्हीं के मार्गदर्शन में संस्था की मजबूत नींव रखी गई और महिलाओं के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा मिली। वंदना सोनी ने सहकार भारती की महिला प्रमुख प्रभा मिश्रा सहित सहकार भारती की केंद्रीय, प्रादेशिक एवं संभागीय टीम तथा संस्था की संरक्षक रश्मि खरे के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और विश्वास के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। भोपाल के राज्य स्तरीय मंच पर मिले इस सम्मान से अनूपपुर जिले के सहकारिता क्षेत्र, सामाजिक संगठनों एवं महिलाओं में हर्ष का वातावरण है। स्थानीय लोगों ने इसे जिले की महिलाओं के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इससे महिला सहकारिता आंदोलन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

साड़ी गोदाम खाक, सीसीटीवी में दिखा नकाबपोश, 20 लाख का हुआ नुकसान

शहडोल। वाह री धनपुरी पुलिस! आपकी कछुआ चाल और रस्म अदायगी वाले अंदाज को तो ऑस्कर मिलना चाहिए। बीते 1-2 जून की दरम्यानी रात ईमामबाड़ा के पास मोहम्मद अरशद के नए-नवेले साड़ी गोदाम को किसी ने आग के हवाले कर दिया। करीब 20 लाख रुपये का आशियाना और साडिय़ां पल भर में राख हो गईं, पीड़ित पाई-पाई को मोहताज हो गया, लेकिन धनपुरी पुलिस आज डेढ़ महीने बाद भी जांच का चश्मा साफ करने में ही व्यस्त है। थक-हारकर आहत पीड़ित परिवार को बुधवार को नए साहब (पुलिस अधीक्षक) की चौखट पर माथा टेकने जाना पड़ा।गजब की बात यह है कि वारदात के बाद पीड़ित परिवार ने खुद गली-मोहल्ले के सीसीटीवी खंगाले।

फुटेज में जून की तपती गर्मी में एक शहंशाह मुंह पर कपड़ा बांधे और बदन पर चादर ओढ़े हाथ में मोबाइल चमकाता हुआ साफ नजर आ रहा है। वह भागता हुआ भी दिखा। सबूत थाली में परोसकर पुलिस को दे दिए गए। सायबर सेल से उस रात एक्टिव मोबाइल टावर का डेटा भी मंगवाया गया, लेकिन धनपुरी पुलिस संदेही के नाम बताने के बावजूद पुलिस ने उनसे ऐसी सख्ती से पूछताछ की कि मानो चाय-समोसे पर चर्चा चल रही हो। बस रस्म अदायगी की और कर्तव्यों से इतिश्री कर ली। साहब! जब सीसीटीवी ने गवाही दी कि यह हादसा नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश है, तब जाकर घटना के पूरे 20 दिन बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का एहसान किया। आज डेढ़ महीना बीत जाने पर भी ढाक के वही तीन पात हैं। अब देखना यह है कि नवागत एसपी साहब के दिए आश्वासन के बाद धनपुरी पुलिस सच में अपनी नींद से जागती है, या फिर इस नकाबपोश संदेही को पकडऩे के लिए पुलिस को भी किसी तांत्रिक का सहारा लेना पड़ेगा।

अतिक्रमण के नाम पर आशियाना तोड़ने का आरोप, आत्मघाती कदम उठाने से मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जगन्नाथ मंदिर परिसर में उस समय अफरा-तफरी और सनसनी का माहौल निर्मित हो गया, जब प्रशासन की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई से क्षुब्ध एक युवक हाथ में पेट्रोल की बोतल लेकर मंदिर के भीतर घुस गया और खुद को अंदर बंद कर लिया। युवक के इस आत्मघाती कदम से मौके पर हड़कंप मच गया। घटना के दौरान युवक का परिवार भी वहीं मौजूद था। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और सूझबूझ से युवक को समझा-बुझाकर सुरक्षित बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार चांडक चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर के पिछले हिस्से में विश्वकर्मा परिवार का एक निर्माण था, जिसे प्रशासन की टीम ने अतिक्रमण बताते हुए हटाने की कार्रवाई की। इस अचानक हुई कार्रवाई से पूरा परिवार स्तब्ध और आक्रोशित था। अपने आशियाने और निर्माण को टूटता देख परिवार का युवक रोशन विश्वकर्मा आक्रोश में आ गया और आत्मघाती कदम उठाने के इरादे से सीधे मंदिर की ओर दौड़ पड़ा।

हाथ में पेट्रोल की बोतल लेकर मंदिर के भीतर खुद को बंद करने वाले युवक रोशन विश्वकर्मा का सीधा आरोप था कि यह कार्रवाई पूरी तरह से दोषपूर्ण और एकतरफा है। युवक का कहना था प्रभु के नाम पर मंदिर कमेटी के इशारे पर प्रशासन ने हमारे साथ अन्याय किया है। यह कार्रवाई पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। जब युवक मंदिर के भीतर खुद को बंद किए हुए था, तब बाहर मौजूद उसके परिजनों का भी रो-रोकर बुरा हाल था और वे भी प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई का विरोध कर रहे थे।पधार्मिक स्थल पर हुए इस ड्रामे की खबर लगते ही पुलिस टीम तुरंत एक्शन में आई।

खबर संक्षेप

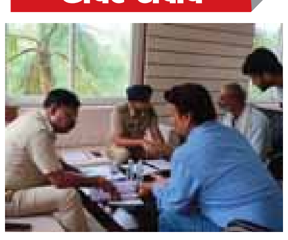

एसपी कार्यालय में सुनी गई लोगों की समस्याएं

कटनी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में एएसपी कमल मौर्य, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, एसडीओपी विजयराघवगढ़ धीरेन्द्र धार्वे तथा डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा ने आमजन की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण करते हुए संबंधित थाना प्रभारियों एवं साइबर सेल को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतें भी प्राप्त हुईं। इस पर पुलिस अधिकारियों ने फरियादियों को शासन द्वारा जारी साइबर सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने, ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए साइबर सेल को प्रकरण भेजने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य रूप से पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन, पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं होने की शिकायतें, भूमि एवं प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध तथा अन्य पुलिस संबंधी मामलों पर सुनवाई की गई। आवेदकों को संबंधित विभाग से संपर्क करने की सलाह दी गई।

अलग अलग सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के ग्राम देवरीसानी में ट्रैक्टर के नीचे दबने से एक नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा गत दोपहर करीब 3:00 बजे देवरीसानी नहर पुलिया के पास हुआ। मृतक की पहचान सूरज सिंह गौड़ 15 वर्ष के रूप में हुई। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। इसी तरह कुठला थाना क्षेत्र के चाका बायपास पर हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। हादसा गत रात करीब 10:00 बजे चाका बायपास पर हुआ। मृतक की पहचान सौरभ वंशकार 23 वर्ष निवासी भट्टा मोहल्ला, रंगनाथ नगर के रूप में हुई। हादसा की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। उधर बरही थाना क्षेत्र के अंतर्गत डोकरिया में बीती रात हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की गंभीर चोटें आने के कारण मौत हो गई। मृतक की पहचान मनोज सिंह परिहार 48 वर्ष निवासी ग्राम फुरताल के रूप में हुई। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

चार सीईओ बने उपायुक्त

कटनी। राज्य शासन ने कटनी जिले में पदस्थ चार मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को उपायुक्त (विकास) पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के मुताबिक जनपद पंचायत कटनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप सिंह, रीठी के राजेश नरेंद्र सिंह, ढीमरखेड़ा के यजुवेंद्र कोरी और बड़वारा की सुश्री प्रभा तेकाम को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक स्थापन्न रूप से उपायुक्त (विकास) के पद पर पदोन्नति दी गई है।

लंबित प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता बरतने अधिकारियों को दिए निर्देश

ननि की सख्ती: 9 अवैध कालोनाइजर के विरूद्ध दर्ज कराई गई एफआइआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम कार्यालय में सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नगर विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, सीएम हेल्पलाइन, महापौर जनसुनवाई, समय-सीमा के चिन्हित पत्रों एवं न्यायालयीन प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े प्रत्येक कार्य का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो।

निगमायुक्त ने नामांतरण प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन एवं अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से प्राप्त प्रकरणो को ऑनलाइन दर्ज करने की कार्यवाही प्रारंभ करने तथा कर्मचारियों के लिए द्वितीय प्रशिक्षण शीघ्र आयोजित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित सेवाओं के माध्यम से

नागरिकों को सरल, त्वरित एवं पारदर्शी सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम प्रशासन की प्राथमिकता है। निगमायुक्त ने राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान राजस्व अमले को वसूली अभियान में और अधिक तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि 31 जुलाई तक संपत्ति कर पर उपलब्ध 5 प्रतिशत की अग्रिम छूट का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिकाधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठाकर समय पर कर जमा करें।

बैठक के दौरान मध्यप्रदेश कॉलोनी विकास नियमों के अंतर्गत नियमित की गई कॉलोनियों से निगम कोष में जमा कराई गई विकास शुल्क की समीक्षा की गई। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह ने जानकारी दी कि विकास शुल्क की वसूली की कार्यवाही निरंतर जारी है तथा अब तक 09 अवैध कॉलोनाइजरों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। साथ ही चिन्हित नई अनाधिकृत कॉलोनियों में अवैध निर्माण कार्यों को रोकने की कार्रवाई भी की जा रही है। इस पर निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि अवैध कॉलोनाइजरों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई में और अधिक तेजी लाई जाए, ताकि अनधिकृत कॉलोनी विकास पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। विकास शुल्क की राशि जमा कराने हेतु नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रख जोन कार्यालयों में शिविर का आयोजन करनें की बात भी निगमायुक्त ने बैठक के दौरान कही। आपदा प्रबंधन हेतु गठित दल द्वारा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में की जा रही जांच में गति लाते हुए जन सुरक्षा के मद्देनजर फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग संस्थानों, होटल, लॉज, मैरिज गार्ड एवं प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर विधि सम्मत कार्यवाही करने के निर्देश भी निगमायुक्त ने दिए।

प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के अंतर्गत 15 हजार, 25 हजार एवं 50 हजार रुपये के ऋण प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने प्राप्त आवेदन, स्वीकृत, अस्वीकृत, बैंकों से वापस लौटे एवं लंबित प्रकरणों की जानकारी ली।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान आज से चलेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नशे के उन्मूलन के लिए पुलिस विभाग द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक प्रदेश में "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" नामक व्यापक जनजागृति अभियान संचालित किया जाएगा। जिले में इस अभियान के क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर विभिन्न विभागों के समन्वय से प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

यह अभियान सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशन में संचालित होगा, जिसका उद्देश्य समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना, नशा पीड़ितों के पुनर्वास को प्रोत्साहित करना और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रेरित करना है।

अभियान के तहत "नशा मुक्त भारत अभियान" के निर्देशों का पालन करते हुए एनएमबीए के मानकीकृत बैनरों का उपयोग, राष्ट्रीय नशामुक्ति हेल्पलाइन नंबर 14446 एवं मानस हेल्पलाइन 1933 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही, नागरिकों को "नशा मुक्ति मित्र" बनने, ई-प्लेज (शपथ) लेने और एनएमबीए मोबाइल ऐप पर गतिविधियों को अपलोड करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

पहले दिन रैली और ड्रग अवेयरनेस रन

अभियान के शुभारंभ दिवस 15 जुलाई को जिले में बड़े स्तर पर रैली, ड्रग अवेयरनेस रन एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें स्कूल-कॉलेज के छात्र, एनसीसी, स्काउट-गाइड, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी रहेगी। साथ ही मीडिया के माध्यम से जनसंदेश का प्रसार किया जाएगा।

अभियान के दौरान शैक्षणिक संस्थानों में व्याख्यान, लघु फिल्म प्रदर्शन, चित्रकला, निबंध, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। झुग्गी बस्तियों और चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम चलाकर नशा पीड़ितों को परामर्श एवं पुनर्वास सेवाओं से जोड़ा जाएगा।

जनजागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक, मानव श्रृंखला, सार्वजनिक परिवहन पर पोस्टर, बाजारों एवं हाटों में जनसंवाद, सोशल मीडिया अभियान और मोटिवेशनल स्टोरी का प्रसारण किया जाएगा। पुलिस थाना परिसरों, खेल मैदानों और धार्मिक स्थलों पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे।

बिना लायसेंस बीज विक्रय करने पर एफआइआर के निर्देश

प्रशासन की कार्यवाही होती देख दुकानों में ताला लगाकर चंपत हो गये दुकानदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद, बीज एवं कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी, जमाखोरी और अमानक सामग्री के कारोबार पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में विशेष सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कृषि विभाग की जिला स्तरीय टीम ने रीठी और बड़वारा विकासखंड में औचक निरीक्षण कर कई कृषि आदान विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की है।

विकासखंड रीठी में निरीक्षण के दौरान मैसर्स पार्शवनाथ खाद बीज भण्डार, बिलहरी तथा मैसर्स कमलेश कुमार जैन, बड़गांव में विभिन्न अनियमितताएं पाई गईं। इसके चलते संबंधित प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया हैं।

एफआईआर के निर्देश

ग्राम मोहास स्थित मैसर्स पाण्डेय कृषि केन्द्र के संचालक प्रभात पाण्डेय बिना वैध लाइसेंस के बीज विक्रय करते पाए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित के विरुद्ध पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

तीन प्रतिष्ठानों को नोटिस

बड़वारा विकासखंड में मैसर्स सांई खाद बीज भण्डार पिपरिया कला, मैसर्स सतीश बीज भण्डार बरही तथा मैसर्स गुप्ता बीज भण्डार बरही के निरीक्षण में कमियां पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

आठ दुकानों पर ताले

निरीक्षण दल के क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिलने पर बरही क्षेत्र के आठ कृषि आदान विक्रेता प्रतिष्ठानों ने दुकानें बंद कर दीं और मौके से अनुपस्थित पाए गए। प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित प्रतिष्ठानों के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

जांच में दो बीज अमानक

खरीफ सीजन के दौरान लिए गए बीज नमूनों की प्रयोगशाला जांच में दो नमूने अमानक पाए गए। इसके चलते मैसर्स अंकिता बीज भण्डार, बड़वारा तथा अग्रहरि कृषि केन्द्र, कौड़िया (बहोरीबंद) के विरुद्ध प्रारंभिक रूप से विक्रय प्रतिबंध की कार्रवाई करते हुए कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं।

दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास खेलावन डहरिया ने स्पष्ट किया है कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी, अमानक बीज या कृषि आदानों की बिक्री तथा नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी पाए जाने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे खाद, बीज एवं कीटनाशकों की खरीदी केवल अधिकृत विक्रेताओं से करें तथा जीएसटी युक्त पक्का बिल अवश्य प्राप्त करें।

नुक्कड़ नाटक से नागरिकों को किया जागरूक

मानसून के दौरान मौसमी एवं संक्रामक बीमारियों से बचाव तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के अंतर्गत शहरभर में सघन जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग की टीम द्वारा विभिन्न वार्डों के रहवासियों से सीधा संवाद कर उन्हें स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की गई। अभियान के क्रम में कावस जी वार्ड में क्षेत्रीय पार्षद निवास के पास जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान क्षेत्र के रहवासियों को अपने घरों एवं आसपास नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, जलभराव रोकने, कचरा इधर-उधर न फेंकने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया सहित अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी नागरिकों को प्रदान कर बताया गया कि साफ-सफाई अपनाकर ही इन बीमारियों को जड़ से रोका जा सकता है। इस पहल से एक ओर जहां घरों में पड़े अनुपयोगी सामान का सदुपयोग होगा, वहीं दूसरी ओर अपशिष्ट में कमी आकर पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा।

विद्यार्थियों के साथ रखें संवेदनशील व्यवहार, स्कूलों की मानिटरिंग के लिए पहुँचा अमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 में स्कूलों की मानिटरिंग का कार्य संयुक्त संचालक जबलपुर के निर्देशानुसार जन शिक्षा केंद्र स्लीमनाबाद में शुरू कर दी गईं हैं। मंगलवार को जन शिक्षक डॉ दिलीप त्रिपाठी ने जन शिक्षा अंतर्गत शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला सलैया फाटक पहुंचकर शालाओ की अधोसंरचना, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, साफ- सफाई पाठ्य पुस्तक वितरण, टाइम टेबिल मैपिग नव साक्षरता अभियान चाइल्ड ट्रेंकिंग एप के माध्यम से बच्चो को मेप करना पोर्टल पर कक्षोन्नति करना,विद्यार्थियों की उपस्थिति मेपिंग, मध्यान्ह भोजन, टी एल एम,

एफएलएन जैसे महत्वपूर्ण कार्यो की सघन मानीटरिग की गईं !जन शिक्षक ने डॉ दिलीप त्रिपाठी ने शाला प्रभारियों को कक्षा पहली, छठवीं और नवमी में नामांकन, मैपिंग फीडिंग के साथ ओर स्कूलों में शत-प्रतिशत नामांकन पूरा करने के निर्देश दिए ।निरीक्षण मैं जन शिक्षक ने प्रवेश से वंचित बच्चों की सूची उपलब्ध करवाकर एक-एक बच्चे को चिन्हित कर उनसे सम्पर्क कर, जरूरत पड़ने पर उनके पालक से भी सम्पर्क कर ऐसे बच्चों का प्रवेश कराने निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने हिदायत दी कि किसी भी बच्चे को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही स्कूल परिसर की साफ सफाई के साथ-साथ मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता पर भी ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने पाठयपुस्तक वितरण जल्द से जल्द कराने, बरसात के मौसम को देखते हुए बच्चों के साथ संवेदनशील व्यवहार व अध्यापन कार्य कराने के निर्देश दिए।

जन सुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने कलेक्टर से बताई अपनी परेशानी

दबंगों द्वारा रास्ता बंद करने, पंडाल तोड़ने सहित मारपीट करने के लगाये आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विजयराघवगढ़ तहसील के ग्राम खिरवा नं. 01 (फुटहा टोला) के दर्जनों ग्रामीण जनसुनवाई में कलेक्टर को लिखित शिकायती पत्र सौंपकर गांव के दबंगों द्वारा उनका पुश्तैनी रास्ता बंद करने, मारपीट करने और गंभीर जातिसूचक गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

पीड़ितों ने न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है। कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन के अनुसार, ग्राम खिरवा नं. 01 के फुटहा टोला, नई बस्ती हरिजन, आदिवासी मोहल्ला और चहला टोला के ग्रामीण वर्षों से एक पुश्तैनी रास्ते का

उपयोग आवागमन के लिए कर रहे थे। यह रास्ता जंगल की जमीन से लगी सरकारी भूमि से होकर गुजरता है।पीड़ितों का आरोप है कि दिनांक 12 जुलाई 2026 को सुबह करीब 11 बजे गांव के दबंग ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंचे। शिकायत में कहा गया है कि दबंगों ने सरकारी जमीन पर बने उस पंडाल को ट्रैक्टर से तोड़ दिया, जहां देवी स्थापना की जाती थी। इतना ही नहीं, रास्ते में लगे करीब 7 साल पुराने और 7 फीट ऊंचे बरगद के पेड़ को भी उखाड़कर फेंक दिया। इसके बाद आरोपियों ने आवागमन के मुख्य रास्ते पर मेड़ (बंधिया) बनाकर उसे पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया। जब पीड़ित ग्रामीणों को इस बात की जानकारी लगी और उन्होंने मौके पर पहुंचकर रास्ता बंद करने का विरोध किया, तो आरोपी भड़क गए। ग्रामीणों का आरोप है कि आरोपियों ने गालियां दीं और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित किया।

इस दौरान बीच-बचाव करने आईं महिलाओं के साथ भी गंभीर अभद्रता और मारपीट की गई। दबंगों ने खुलेआम धमकी दी है कि ‍यदि तुम लोग हमारे गांव खिरवा आ गए, तो जान से मार डालेंगे। ग्रामीणों ने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि दबंगों के खौफ के कारण अब उनका घर से निकलना भी खतरे से खाली नहीं रह गया है। इसके अलावा, आरोपियों द्वारा अपनी जमीन में पारधियों को अवैध रूप से बसाया गया है, जो शराब बेचकर आए दिन विवाद करते हैं। इस संबंध में पीड़ित महिलाओं द्वारा पूर्व में विजयराघवगढ़ थाने में भी लिखित शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है।

सड़कों पर मौत बनकर घूम रहे आवारा मवेशी

प्रशासन की लापरवाही से हर सफर बना जानलेवा

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़, अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा, बिजुरी, राजनगर, डोला, डूमरकछार और अमरकंटक की सड़कें इन दिनों आवारा मवेशियों के कब्जे में हैं। दिन हो या रात, राष्ट्रीय और राज्य मार्गों से लेकर शहरों व कस्बों की मुख्य सड़कों तक मवेशियों का जमावड़ा आम बात हो गई है। लगातार हो रहे सड़क हादसों के बावजूद जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता ने आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जिले में आवारा मवेशियों की समस्या अब केवल यातायात बाधित करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह लोगों की जान के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। जिले के लगभग सभी नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में मवेशी खुलेआम सड़कों पर विचरण करते दिखाई देते हैं। तेज रफ्तार वाहनों के सामने अचानक आने से आए दिन बाइक सवार, कार चालक और राहगीर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। कई मामलों में लोगों की जान तक जा चुकी है, जबकि अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके बावजूद नगर परिषद, नगर पालिका, ग्राम पंचायतों और संबंधित विभागों द्वारा न तो प्रभावी गौशालाओं की व्यवस्था की जा रही है और न ही मवेशियों को सड़कों से हटाने के लिए कोई स्थायी अभियान चलाया जा रहा है। सवाल यह है कि आखिर प्रशासन किसी बड़ी जनहानि का इंतजार क्यों कर रहा है? यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या और भी भयावह रूप ले सकती है।

हर सड़क पर मंडरा रहा मौत का खतरा

अनूपपुर जिले की प्रमुख सड़कों पर आवारा मवेशियों का डेरा आम दृश्य बन गया है। विशेषकर रात के समय ये मवेशी सड़क के बीचों-बीच बैठ जाते हैं, जिससे तेज रफ्तार वाहन चालकों को उन्हें देख पाना मुश्किल हो जाता है। अचानक सामने आने पर वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। कई परिवार इन हादसों में अपनों को खो चुके हैं, लेकिन हालात आज भी जस के तस बने हुए हैं।

जिम्मेदार विभागों की चुप्पी बनी सबसे बड़ी समस्या

नगर पालिका, नगर परिषद, ग्राम पंचायत और पशुपालन विभाग सभी इस समस्या की जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालते नजर आते हैं। परिणामस्वरूप न तो मवेशियों को पकड़ने का नियमित अभियान चलता है और न ही उनके पुनर्वास की कोई प्रभावी व्यवस्था दिखाई देती है। प्रशासनिक बैठकों में यह मुद्दा उठता जरूर है, लेकिन धरातल पर कार्यवाही नजर नहीं आती है।

गौशालाओं की कमी से बढ़ रही परेशानी

सरकार द्वारा गौ संरक्षण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन जिले में पर्याप्त गौशालाओं के बावजूद अभाव साफ दिखाई देता है। जिन स्थानों पर गौशालाएं हैं भी, वहां क्षमता से अधिक मवेशी होने या संसाधनों की कमी जैसी समस्याएं सामने आती हैं। नतीजा यह है कि बड़ी संख्या में पशु फिर से सड़कों पर लौट आते हैं और दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं।

आम जनता में बढ़ रहा आक्रोश

लगातार हो रही दुर्घटनाओं से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। व्यापारियों, वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठाता। लोगों का मानना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो भविष्य में बड़े जनआंदोलन की स्थिति भी बन सकती है।

कब जागेगा प्रशासन, यही सबसे बड़ा सवाल

जिले में सड़क सुरक्षा की तमाम योजनाएं तब तक अधूरी हैं, जब तक आवारा मवेशियों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पशुओं की पहचान, जो गौशालाओं को बनाया गया है उसका समुचित उपयोग, नियमित पकड़-धकड़ अभियान और पशु मालिकों पर सख्त कार्यवाही ही इस समस्या का प्रभावी समाधान हो सकता है। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर कब जागता है या फिर अगली दुर्घटना का इंतजार करता है।

खबर संक्षेप

खेत में जुताई के दौरान 7 फीट गहरे गड्ढे में पलटा ट्रैक्टर, चालक की दबकर दर्दनाक मौत

अनूपपुर। जिले के जैतहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोड़ीपानी में बुधवार शाम खेत की जुताई के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में जुताई कर रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर करीब 7 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरा, जिससे ट्रैक्टर चालक उसके नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, ग्राम डोड़ीपानी निवासी अमन कुमार कोल गांव के राम बिहारी राठौर के खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। इसी दौरान खेत में ट्रैक्टर मोड़ते समय संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर खेत के किनारे बने लगभग 7 फीट गहरे गड्ढे में पलट गया। हादसे में चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। थाना प्रभारी गोकुलानंद पाण्डेय ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की सहायता से चालक को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक दुर्घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

पंडित गोविंद नारायण द्विवेदी की माताजी लीलावती द्विवेदी का निधन

अनूपपुर। नगर के वरिष्ठ नागरिक श्रीमती लीलावती द्विवेदी का 94 वर्ष की आयु में 14 जुलाई को निधन हो गया। वे पंडित गोविंद नारायण द्विवेदी एवं पंडित कृष्णानंद द्विवेदी की पूज्य माताजी तथा पत्रकार आशीष द्विवेदी की दादी थीं। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिजनों, शुभचिंतकों एवं नगरवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्गीय श्रीमती लीलावती द्विवेदी अपने सरल, स्नेहमयी एवं धार्मिक स्वभाव के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने अपने परिवार को उत्कृष्ट संस्कार प्रदान किए और समाज में सम्मानपूर्ण जीवन व्यतीत किया। उनके निधन से द्विवेदी परिवार के साथ-साथ उन्हें जानने वाले सभी लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। दिवंगत श्रीमती लीलावती द्विवेदी का अंतिम संस्कार 14 जुलाई बुधवार सायं 4:00 बजे पुरानी बस्ती मुक्तिधाम, अनूपपुर में परिजनों, रिश्तेदारों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित शुभचिंतकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

रात्रि चेकिंग में कोतमा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, महिला तस्कर समेत दो गिरफ्तार

3 किलो गांजा, कारतूस और ग्रैंड विटारा कार जब्त

कोतमा। जिले में नशे के कारोबार पर लगातार शिकंजा कस रही कोतमा पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला तस्कर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 किलो 58 ग्राम गांजा, तीन जिंदा कारतूस, 37,300 नकद, पांच मोबाइल फोन, एक वाई-फाई डोंगल तथा करीब 12 लाख रुपये कीमत की ग्रैंड विटारा कार जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 14 लाख बताई गई है।

पुलिस चेकिंग देखकर भागने का किया प्रयास

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नांबर शुक्ल के नेतृत्व में 13 जुलाई की रात ग्राम पथरौड़ी स्थित एंजल किराना स्टोर के सामने वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान सफेद रंग की ग्रैंड विटारा कार पुलिस चेकिंग देखकर अचानक पीछे मुड़कर भागने लगी। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया।

तलाशी में मिला गांजा और कारतूस

वाहन में चालक शिवा विश्वकर्मा और उसके साथ रेखा उर्फ मनीषा गुप्ता सवार थे। दोनों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने नियमानुसार पूछताछ और तलाशी ली। पूछताछ में आरोपियों ने वाहन में गांजा रखे होने की बात स्वीकार कर ली। वाहन की तलाशी में पुलिस को 3 किलो 58 ग्राम गांजा (अनुमानित कीमत 45,000), तीन नग 32 बोर के जिंदा कारतूस, 37,300 नकद, पांच मोबाइल फोन, जियो कंपनी का वाई-फाई डोंगल एवं सिम, दो बैग तथा ग्रैंड विटारा कार बरामद हुई।

दोनों आरोपी अलग-अलग जिलों के निवासी

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रेखा उर्फ मनीषा गुप्ता (35 वर्ष), निवासी हनुमान नगर नई बस्ती, थाना कोलगवां, जिला सतना तथा शिवा विश्वकर्मा (30 वर्ष), निवासी लालपुर, थाना बुढ़ार, जिला शहडोल के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना कोतमा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 (बी) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

इन पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल के साथ उपनिरीक्षक सुखीनंद यादव, प्रधान आरक्षक रामखेलावन यादव, दिनेश राठौर, संजीव त्रिपाठी, ज्ञानेंद्र पासी, कपिल उइके, आरक्षक अभय त्रिपाठी, राकेश सिंह, महेश साहू, महिला आरक्षक सुप्रिया त्रिपाठी तथा साइबर सेल के प्रधान आरक्षक राजेंद्र अहिरवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

साइबर ठगी की रकम ठिकाने लगाने वाले अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट बने नई चुनौती

क्रिप्टो, हवाला और फर्जी खातों के जरिए मिनटों में विदेश पहुंच रहा करोड़ों का धन

राजनगर। डिजिटल युग ने जहां लोगों के जीवन को आसान और सुविधाजनक बनाया है, वहीं साइबर अपराधों ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई और गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। भारत में साइबर ठगी के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, लेकिन इससे भी अधिक चिंताजनक पहलू यह है कि ठगी से हासिल धन को देश-विदेश में छिपाने और वैध दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट सक्रिय हो चुके हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ये संगठित गिरोह आधुनिक बैंकिंग प्रणाली, क्रिप्टोकरेंसी, फर्जी कंपनियों, मनी म्यूल्स (दूसरों के बैंक खातों का उपयोग) और हवाला नेटवर्क का सहारा लेकर ठगी की रकम को कुछ ही घंटों में कई देशों में स्थानांतरित कर देते हैं। इससे जांच एजेंसियों के लिए न केवल अपराधियों तक पहुंचना, बल्कि ठगी गई राशि की बरामदगी भी बेहद कठिन हो जाती है। भारत में डिजिटल भुगतान, यूपीआई और ऑनलाइन बैंकिंग के तेजी से विस्तार के साथ साइबर अपराधियों को भी नए अवसर मिले हैं। फर्जी निवेश योजनाएं, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड, फर्जी कस्टमर केयर, यूपीआई धोखाधड़ी, फिशिंग और सोशल इंजीनियरिंग जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इन अपराधों का संचालन अक्सर विदेशों में बैठे गिरोह करते हैं, जबकि भारत में मौजूद उनके सहयोगी बैंक खाते उपलब्ध कराने, सिम कार्ड की व्यवस्था करने और धन को आगे ट्रांसफर करने का काम करते हैं। यही कारण है कि साइबर अपराध अब केवल तकनीकी अपराध नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध का स्वरूप ले चुका है।

जांच एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि साइबर ठगी की रकम कुछ ही मिनटों में कई बैंक खातों, डिजिटल वॉलेट और क्रिप्टो एक्सचेंजों के माध्यम से अलग-अलग देशों में पहुंच जाती है। अपराधी फर्जी दस्तावेजों और नकली पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलवाते हैं तथा बेरोजगार या लालच में आए लोगों के खातों का उपयोग मनी म्यूल के रूप में करते हैं। इससे असली मास्टरमाइंड तक पहुंचने में लंबा समय लग जाता है। इस चुनौती से निपटने के लिए भारत सरकार ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन 1930 तथा संदिग्ध बैंक खातों को तत्काल फ्रीज करने जैसी कई प्रभावी व्यवस्थाएं लागू की हैं। इन पहलों से अनेक मामलों में ठगी की राशि को समय रहते रोकने और पीड़ितों को राहत दिलाने में सफलता मिली है। इसके बावजूद अपराधियों की लगातार बदलती तकनीक और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को देखते हुए साइबर सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइबर अपराध केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये डिजिटल अर्थव्यवस्था और ऑनलाइन सेवाओं पर लोगों के भरोसे को भी प्रभावित करते हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय साइबर सिंडिकेटों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो डिजिटल इंडिया अभियान की गति भी प्रभावित हो सकती है।

ऐसे में सरकार, जांच एजेंसियों, बैंकिंग संस्थानों, तकनीकी कंपनियों और आम नागरिकों को मिलकर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी, ताकि साइबर अपराधियों के लिए न केवल ठगी करना कठिन हो, बल्कि ठगी की रकम को छिपाना और उसे वैध रूप देना भी लगभग असंभव बनाया जा सके। यही सुरक्षित, भरोसेमंद और सशक्त डिजिटल भारत की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा।

हर विशेष अवसर पर एक पौधा लगाएं और उसका करें संरक्षण-सुजल द्विवेदी

अनूपपुर। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए जन अभियान परिषद के सक्रिय सदस्य सुजल द्विवेदी ''ओम'' ने अपना जन्मदिवस अनोखे और प्रेरणादायी अंदाज में मनाया। उन्होंने पौधारोपण कर समाज को प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से हर विशेष अवसर पर एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। इस अवसर पर सुजल द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते वन क्षेत्र मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिवस, विवाह वर्षगांठ अथवा अन्य शुभ अवसरों पर एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण मिल सकता है। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों का संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है। पौधे ही हमें शुद्ध वायु, छाया, वर्षा और प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण के इस जन अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। सुजल द्विवेदी की इस प्रेरणादायी पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना करते हुए कहा कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत अवसर को सामाजिक सरोकार से जोड़ने का यह प्रयास समाज के लिए अनुकरणीय है। लोगों ने इसे पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और हरित भविष्य के निर्माण की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया।

पांच दिन बाद अमरकंटक में मेघों की झमाझम दस्तक, मूसलाधार बारिश से मौसम हुआ रमणीय

बारिश से निखरी हरियाली, शीतल हवाओं ने बढ़ाई प्राकृतिक छटा

अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थस्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में बुधवार, 15 जुलाई को आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा एवं पुष्य नक्षत्र के शुभ संयोग पर पांच दिनों के लंबे अंतराल के बाद मेघों ने जमकर बरसात की। दोपहर लगभग 1 बजे शुरू हुई मूसलाधार बारिश करीब आधे घंटे तक जारी रही, जिससे पूरे क्षेत्र का मौसम पूरी तरह बदल गया और वातावरण में शीतलता व ताजगी घुल गई। बीते पांच दिनों से बारिश नहीं होने के कारण क्षेत्र में उमस और हल्की गर्मी का असर महसूस किया जा रहा था। बुधवार को दोपहर तक आसमान में धूप और बादलों के बीच आंख-मिचौली चलती रही, लेकिन दोपहर बाद अचानक काले घने बादलों ने पूरे आकाश को ढक लिया। इसके बाद तेज गर्जना के साथ झमाझम बारिश शुरू हुई, जिसने तपिश से राहत दिलाते हुए जनजीवन को सुकून पहुंचाया। बारिश के बाद अमरकंटक की पर्वत श्रृंखलाएं, घने वन और मां नर्मदा उद्गम क्षेत्र की प्राकृतिक छटा और अधिक निखर उठी। चारों ओर फैली हरियाली, ठंडी हवाएं और बारिश की फुहारों ने पूरे क्षेत्र को मनमोहक बना दिया। शाम करीब 5 बजे के बाद भी रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा, जिससे मौसम और अधिक सुहावना हो गया। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को अमरकंटक का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं वायु गुणवत्ता सूचकांक 125 रहा, जो सामान्य श्रेणी में दर्ज किया गया। आषाढ़ मास प्रारंभ होने के कारण इन दिनों अमरकंटक में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा कुछ कम है। हालांकि बारिश के बाद मां नर्मदा उद्गम, कपिलधारा, पर्वतीय वादियों और सघन वनों का अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य देखने के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालु और प्रकृति प्रेमी इस मनोरम दृश्य का भरपूर आनंद ले रहे हैं। वर्षा से धुली पवित्र नगरी का अलौकिक स्वरूप एक बार फिर प्रकृति की अनुपम छटा का सजीव एहसास करा रहा है।

जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम बने अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी

अनूपपुर। जिला परिवहन कार्यालय अनूपपुर में पदस्थ जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम को मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग, भोपाल द्वारा पदोन्नत किया गया है। शासन ने 10 जुलाई 2026 को जारी पत्र के माध्यम से उनकी पदोन्नति का आदेश जारी किया। पदोन्नति के बाद अब सुरेंद्र सिंह गौतम अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी/सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के पद पर कार्य करेंगे। जैसे ही उनकी पदोन्नति की सूचना अनूपपुर जिले में पहुंची, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, परिवहन विभाग के कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया। लोगों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि नई जिम्मेदारी में भी वे अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी और जनसेवा की भावना के साथ बेहतर कार्य करेंगे। सुरेंद्र सिंह गौतम की इस पदोन्नति को जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। उनके शुभचिंतकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इस्तहार सूचना

क्रमांक-1750/न.पा./राजस्व/2020-21
दिनांक 15/07/2026
(नगर पालिका अधिनियम की धारा 150 के तहत)

एतद द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि श्री रमेश चन्द्र जैन आत्मज श्री हुकूम चन्द्र जैन निवासी वार्ड क्रमांक -03 कोतमा ने कार्यालय में नगर पालिका आई.डी क्रमांक- 7001686053 को श्रीमती शशि जैन आत्मज श्री सुधीर कुमार जैन निवासी वार्ड क्रमांक-03 कोतमा को विक्रय कर दिया है। अतः किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 15 दिवस तक नगर पालिका परिषद् कोतमा कार्यालय में अधोहस्ताक्षकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् कोतमा
जिला-अनूपपुर (म.प्र.)